ब्रिटेन के लिए अपना स्वयं का लक्ष्य?

लेखिका-प्रियांजलि मलिक (दक्षिण एशिया में नाभिकीय सुरक्षा एवं राजनीति पर एक स्वतंत्र शोधकर्ता हैं)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

द हिन्दू

27 मार्च, 2019

"संसद या सरकार में ब्रेक्सिट का अर्थ अभी किसी को पता नहीं है"

ब्रेक्सिट के नारे यू.के. में एक बुमेरांग (एक प्रकार का लकड़ी का हथियार जो हवा में उछालने पर स्वयं वापस आ जाता है) की तरह वापस आ गए हैं, ब्रेक्सिटर्स ने 'वापस नियंत्रण लें' की मांग की है। संसद ने अब प्रधान मंत्री थेरेसा मे से ब्रेक्सिट प्रक्रिया पर नियंत्रण छीन लिया है और यह यूरोपीय संघ (ईयू) से बाहर निकलने के प्रकार को इंगित करेगा, जो यूरोपीय संघ को स्वीकार्य हो सकता है। यूरोपीय संघ ने पहले ही ब्रिटेन के वापसी के समझौते और एक समझौते के बिना छोड़ने की उसकी धमकी, दोनों को अस्वीकार कर दिया है। हालाँकि अब यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि कोई भी इस बात पर सहमत नहीं हो सकता है कि ब्रेक्सिट का अर्थ क्या है और अकेले इसे कैसे प्राप्त किया जाए।

एक नया समझौता

विडंबना यह है कि यूरोपीय परिषद को पिछले हफ्ते ब्रेक्सिट समय-रेखा का नियंत्रण लेना था ,और सुश्री मे को 12 अप्रैल तक एक बार फिर से यह बताने का प्रस्ताव दिया गया कि ब्रिटेन यूरोपीय संघ से बाहर निकलने की इच्छा कैसे रखता है। उस समय तक, ब्रिटेन 29 मार्च को संघ से बाहर होने के कारण होने वाली दुर्घटना के खतरे में था। ट्रांज़ीशन एग्रीमेंट के बिना, ब्रिटेन अपने कुल व्यापार के 49.5% के लिए सभी मौजूदा व्यवस्था खो देगा। यूरोपीय संघ के कानून जो इसके उद्योग, बैंकिंग, कृषि को नियंत्रित करते हैं और राष्ट्रीय कानूनों को प्रभावित करते हैं, लागू होने से बच जाएंगे। जब तक एक नई व्यवस्था पर बातचीत नहीं हो जाती है, तब तक माल और सेवाओं में निर्बाध आदान-प्रदान बंद हो जाएगा। हालांकि यूरोपीय संघ शीघ्र वार्ता के लिए नहीं जाना जाता है।

सुश्री मे को ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से बाहर निकालने हेतु, अंतरिम व्यापारिक संबंधो हेतु बने मसौदे के अनुछेद 50 का उपयोग करने से पहले ब्रेक्सिट के अर्थ के लिए व्यापक रूप से परामर्श करना चाहिए था। इसके बजाय, उन्होंने 27 अन्य देशों के साथ बातचीत करने का विकल्प चुना

ब्रेक्सिट के वैकल्पिक विजन पर कभी भी गंभीरता से बहस नहीं की गई, हालांकि 2016 का जनमत संग्रह भी चुप था की ब्रिटेन कैसे बाहर आना चाहता है यूरोपीय संघ से।

संसदीय अशांति

जनमत संग्रह प्रक्रिया की यह कमजोरी संसद को एक बंधन में छोड़ देती है। कन्वेंशन ने संसद को देश के भविष्य के लिए परामर्श, बहस और कानून बनाने का काम सौंपा है। ब्रेक्सिट जनमत संग्रह केवल तीसरी बार आयोजित जनमत संग्रह था, और पहली बार सांसदों के बहुमत ने जनमत संग्रह के परिणाम के विरोध में मतदान किया। संसद ने इसे एक बाध्यकारी निर्देश के रूप में माना, भले ही अधिकांश सांसद परिणाम से असहमत थे।

अधिकांश सांसदों ने ब्रिटेन के भविष्य की सुरक्षा को बनाये रखने हेतु वोट दिया। ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अपने कुल खाद्य का एक चौथाई आयात करता है; अधिकांश बड़े उद्योग यूरोप के मुख्य भूभाग से जटिल व त्वरित आपूर्ति पर निर्भर करते हैं; और ब्रिटेन दवाओं, इंसुलिन से लेकर कैंसर हेतु मेडिकल आइसोटोप, चिकित्सीय छुरी और सीरिंज का आयात करता है। ब्रेक्सिट ब्रिटेन की खुशाहाली को खतरे में डाल सकता है, हालाँकि सुश्री मे ने राष्ट्रहित से बढ़कर अपनी पार्टी को प्राथमिकता दी है

फिर भी, 2011 के निश्चित अवधि संसदीय अधिनियम के कारण उनकी सरकार को बर्खास्त नहीं किया जा सकता है, यह अधिनियम मध्यावधि में सरकार को हटाना काफी मुश्किल बनाता है । इसलिए ब्रिटेन एक ऐसी सरकार के साथ फंस गया है जो बिना किसी शक्ति के सत्ता में बनी हुई है। यह पहली बार है जब संसद ने संसद के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए मतदान किया है; यह पहली सरकार है जिसने यूरोपीय संघ से निकलने संबंधित समझौते पर अटॉर्नी जनरल की सलाह पर रोक लगाकर संसद की अवमानना की है;

इस बीच, 12 अप्रैल आने वाला है , जब ब्रिटेन को यूरोपीय संघ को बताना है कि क्या वह मौजूदा अप्राप्य सौदे के साथ

छोड़ना चाहता है, या बिना किसी सौदे के या पूरी तरह से ब्रेक्सिट पर पुनर्विचार करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है। उस विस्तार का उपहार जो ब्रिटेन की समृद्धि को सुरक्षित कर सकता है, अब यूरोपीय संघ के 27 शेष सदस्य देशों के हाथों में है, जिनमें से कोई भी अपने वीटो का प्रयोग कर सकता है। यह वास्तव में ब्रिटेन के लिए नियंत्रण वापस लेने का एक अजीब तरीका है।

GS World टीम...

ब्रेक्सिट

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में ब्रिटेन को ब्रेक्सिट पर विचार करने हेतु यूरोपीय संघ द्वारा 12 अप्रैल तक का समय दिया गया है एवं इसी बीच ब्रिटेन की संसद ने प्रधान मंत्री थेरेसा मे से ब्रेक्सिट प्रक्रिया पर नियंत्रण को छीन लिया है।

ब्रेक्सिट का क्या मतलब है?

- ब्रेक्सिट शब्द का मतलब है कि ब्रिटेन यूरोपीय संघ छोड़ेगा, इसमें ब्रिटेन और छोड़ेगा शब्द को मिलाकर एक शब्द बनाया गया है, ब्रेक्सिट।
- ब्रिटेन के 28 देशों वाले यूरोपीय संघ से अलग होने के फैसले को लेकर 2016 में जनमत संग्रह कराया गया, जिसमे ब्रिटेन की जनता ने ब्रेक्सिट के पक्ष में वोट दिया।

यूरोपीय यूनियन (EU)

- EU 28 देशों की एक आर्थिक और राजनीतिक पार्टनरशिप है। ये 28 देश संधि के द्वारा एक संघ के रूप में जुड़े हुए हैं जिससे कि व्यापार आसानी से हो सके और आपसी संघर्ष को कम किया जा सके क्योंकि इकॉनमी का एक सिद्धांत है, जो देश आपस में जितना ज्यादा व्यापार करते हैं उनकी लड़ाई होने की संभावना उतनी ही कम हो जाती है।
- यही कारण है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप में यह कोशिश की गई कि सभी देश आर्थिक रूप से एक साथ आएँ और एकजुट होकर एक व्यापार समूह बनें।
- इसी व्यापार समूह की वजह से आगे चलकर 1993 में यूरोपीय यूनियन का जन्म हुआ। 2004 में जब यूरो करेंसी लॉन्च की गई तब यह पूरी तरह से राजनीतिक और आर्थिक रूप से एकजुट हुआ।
- एकल बाजार सिद्धांत (single market principle) अर्थात् किसी भी तरह का सामान और व्यक्ति बिना किसी टैक्स या बिना किसी रुकावट के कहीं भी आ-जा सकते हैं एवं बिना रोक टोक के नौकरी, व्यवसाय तथा स्थायी तौर पर निवास कर सकते हैं। फ्री मूवमेंट ऑफ पीपल एंड गुड्स EU की खासियत है।

ब्रेक्सिट क्यों?

- EU हर साल सदस्यता शुल्क के तौर पर ब्रिटेन से बिलियन ऑफ पाउंड लेता है तथा बदले में उसे बहुत कम राशि मिलती है।
- UK में कोई भी प्रशासनिक कार्य करने के दौरान काफी अड़चनें आती हैं। बहुत अधिक डॉक्यूमेंटेशन तथा बहुत सारे कार्यालयों द्वारा काम होता है। कई सारी प्रणालियाँ हैं जिनको पूरा करना पड़ता है।
- तमाम ऐसे प्रतिबंध हैं जिनसे UK के विकास में रुकावट आ रही है तथा यूरोपीय यूनियन UK को पीछे ढकेल रही है, उसे आगे बढ़ने से रोक रही है।
- लोगों का कहना है कि EU इंग्लैंड को उसके अधिकारों और स्वयं कानून बनाने से वंचित कर रहा है। खासतौर से फिशरीज से संबंधित कानून।
- UK के चारों ओर फिशरीज इंडस्ट्री काफी विकसित है और इस उद्योग को लेकर नियम-विनियम EU के द्वारा बनाए जाते हैं।
- अगर यूरोपीय यूनियन से UK अलग हो जाता है तो वह अपने आपको फाइनेंसियल सुपर पॉवर बना सकता है क्योंकि लंदन को पहले से ही वित्तीय राजधानी कहा जाता है। वहाँ का वित्तीय बाजार दुनिया के बड़े बाजारों में से एक है।जबकि
- EU द्वारा UK को ऐसा करने से रोका जा रहा है।
- प्रवास एक बड़ा मुद्दा है क्योंकि सीरिया में सिविल वार के चलते काफी संख्या में अप्रवासी भागकर यूरोप आ रहे हैं।
- इमीग्रेशन नीति भी EU तय करता है, न कि UK, अगर वह EU से हट जाता है तो उसे अपनी खुद की इमीग्रेशन नीति तय करने का अधिकार होगा।

ब्रिटेन के लिए आगे की राह:-

- ब्रिटेन यूरोपीय संघ से भले ही अलग हो जाए लेकिन यूरोप के भूभाग से अलग नहीं हो सकता है,साथ ही ब्रिटेन को आर्थिक विकास हेतु बहुत सी चीजें आयात करनी पड़ती है,इसलिए ब्रिटेन को अपने फैसले पर विचार करना चाहिए कि वो यूरोपीय संघ से किस प्रकार अलग होना चाहता है

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:-**
   1. यूरोपीय संघ में कुल 28 सदस्य देश हैं।
   2. यूरोपीय संघ में शामिल देशों के लिए आप्रवासन नीति यूरोपीय संघ ही बनाता है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

Consider the following statements :-

1. There are total 28 member country in European Union.
2. European Union decides the immigration policy for its member country.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने के क्या कारण हैं एवं इस कदम से ब्रिटेन पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

(250 शब्द)

Q. What are the reason of withdraw of Britain from European Union and what will be the effect on Britain after this step.

(250 Words)

GS World
Committed To Excellence

नोट : 26 मार्च को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(b) 2 (d) होगा।